राजस्थान सामान्य ज्ञान

वेशभूषा व वस्त्र

कला व संस्कृति

हस्तलिखित नोट्स

BY AADARSH KUMAWAT

Rajasthan GK

5000 प्रश्न

टेस्ट देकर पढें और तैयारी को नई दिशा दें

लॉप 1000 प्रश्न

ई - बुक सामान्य ज्ञान

डाउनलोड करलो

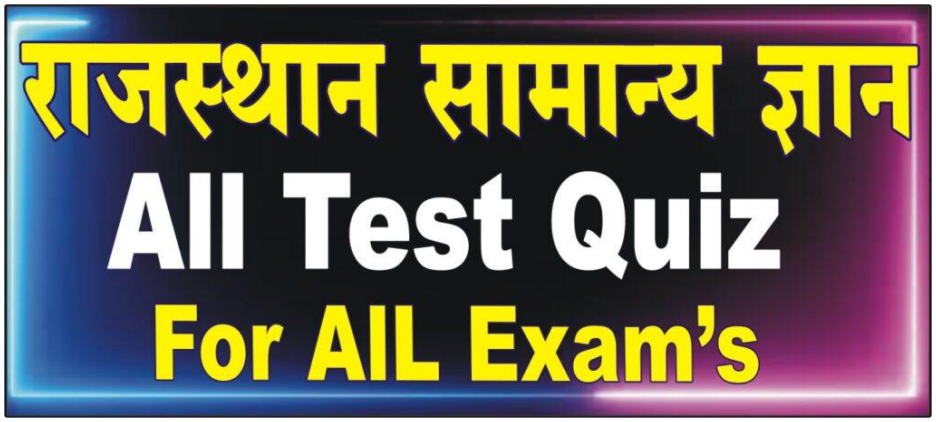

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AlL Exam's

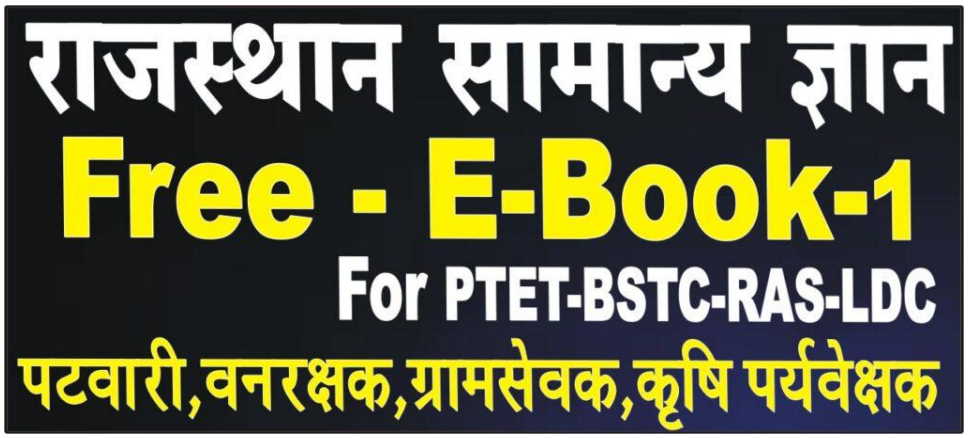

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी, वनरक्षक, ग्रामसेवक, कृषि पर्यवेक्षक

सम्पूर्ण नोट्स PDF
विषयवार ई–बुक
सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

सामान्य विज्ञान
500 - Questions
PDF डाउनलोड

(राजस्थान की वेशभूषा - पहनावा)

= पुरुषों के वस्त्र =

→ पगड़ी, पाग : सिर को ढकने के लिए पहना जाने वाला वस्त्र यह सामान्यतः प्रतिष्ठा का सूचक माना जाता है।
अन्य : पेचा, बागा या साफा भी कहते हैं।
● विवाहोत्सव पर मोठड़े की पगड़ी, श्रावण में लहरिया री पगड़ी दशहरे पर मदील व, होली पर फूलपत्ती छपाई वाली पगड़ी,

पगड़ी के अन्य तथ्य →
- चीरा व फेंटा उच्च व धनी लोगों में प्रचलित।
- राजपूत सामान्यतः केसरिया धारण (पाग) करते हैं।
- जोधपुर में चूंदड़ी साफा बहुतायत प्रयोग होता है।

→ विभिन्न प्रकार की पगड़ियां =
अटपटी, अमरशाही, उदेशाही, खंजरशाही, शिवशाही, विजयशाही
= राजाशाही पगड़ी : जयपुर में प्रचलित एक खास लाल रंग की
= उदयशाही पगड़ी : महाराणा उदयसिंह के समय प्रचलित
→ अमरशाही पगड़ी : महाराणा अमरसिंह द्वितीय के समय प्रचलित
→ अरसी शाही पगड़ी : महाराणा अरिसिंह के समय प्रचलित
→ भीमशाही पगड़ी, महाराणा भीमसिंह के समय में प्रचलित
→ स्वरूपशाही पगड़ी : महाराणा स्वरूपसिंह के समय में प्रचलित
ये पगड़ियां मेवाड़ महाराणाओं की विभिन्न प्रकार से हैं।
महाराणाओं के पगड़ी बांधने वाले व्यक्ति को 'हाबदार' कहते हैं।

→ अंगरखी : शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र
इसे बुगतरी भी कहा जाता है, अंगरखी भी कहा जाता,
विभिन्न प्रकार : तनसुख, दुताई, गाबा, गदर, गिरजाई
डोढ़ी, कानो, एवं डगला इत्यादि
→ अचकन : अंगरखी का ही एक रूप अचकन है।

⇒ धोती : पुरुषों द्वारा कमर पर पहना जाने वाला वस्त्र जो लगभग श्वेत रंग की होती है (तंग व ढेपाड़ा धोती)
⇒ चुगा या चोगा : अंगरखी के ऊपर पहना जाने वाला वस्त्र

⇒ जामा : शरीर के ऊपरी भाग में पहना जाने वाला वस्त्र जिसमें ऊपर चोली होती है एवं नीचे घुटनों तक घेर आता है।

⇒ पायजामा = अंगरखी चुग्गा और जामे के नीचे कमर व पैरों में पहना जाने वाला वस्त्र।
⇒ बिरजस, ब्रीचेस = चूड़ीदार पायजामे के स्थान पर

⇒ पछेवड़ा : सर्दी से बचाव हेतु रेजे का बना चद्दरनुमा वस्त्र
⇒ घूघी : ऊन का बना वस्त्र सर्दी व मुख्य वर्षा में उपयोगी

⇒ कमरबंद या पटका : जामा या अंगरखी के ऊपर कमर पर बांधा जाने वाला वस्त्र, जिसमें तलवार या कटार रहती है।
⇒ आतमसुख = तेज सर्दी में ओढ़ा जाता है। कश्मीरी फिरन जैसा सबसे पुराना आतमसुख सिटी पैलेस, जयपुर में रखा गया।

⇒ पोतिया : भील पुरुषों द्वारा पगड़ी के स्थान पर पहना जाता है।
⇒ टोपी : पगड़ी की तरह, खांखसानुमा, चौपलिया, दुपलिया

⇒ शेरवानी : कोटनुमा एवं घुटने से लम्बा वस्त्र (शादी में उपयोग)
⇒ कुर्मीज : पुरुषों द्वारा धोती के ऊपर पहना जाने वाला कुर्तानुमा वस्त्र
⇒ अंगोछा : आदिवासी पुरुषों द्वारा सिर पर बांधा जाता है। केरी भांत का अंगोछा लोकप्रिय है।
⇒ अंगरखा = बदन पर पुरुषों द्वारा पहना जाने वाला काले रंग का अंगवस्त्र जिस पर सफेद धागे से कढ़ाई होती है।

Imp. = रजाई के नीचे ओढ़ने का वस्त्र = सौड
= बालाबन्द = पगड़ी पर धारण करने का जरीदार वस्त्र
बागा = घेर वाली पुरुषों की सर की पाग
ऊपरणी = पगड़ी पर बांधा जाने वाला वस्त्र
रतनपेच = पगड़ी पर धारण करने वाला विशेष आभूषण
देश निकाले की पोशाक का रंग काला होता है।
शोक सूचक पगड़ी सफेद रंग की होती है।

॥ स्त्रियों के वस्त्र ॥

⇒ कुर्ती और कांचली = शरीर के ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला वस्त्र.

⇒ घाघरा, पेटीकोट, लंहगा = कमर के नीचे एडी तक पहना जाने वाला घेरदार वस्त्र जो कलियों को जोड़कर बनाया। रेशमी घाघरा जयपुर का प्रसिद्ध है।

⇒ ओढ़नी, लुगड़ी = कुर्ती, कांचली, घाघरे के ऊपर शरीर पर पहना जाने वाला वस्त्र।
लोकप्रिय ओढ़निया = पोमचा, लहरिया, चुनरी, मोटड़ा, धनक

⇒ पीला पोमचा = बच्चे के जन्म पर प्रसूता द्वारा पहने जाने वाली पीले रंग की ओढ़नी।

⇒ लहरिया = श्रावण मास में तीज पर अनेक रंगों की ओढ़नी, डुंगरशाही ओढ़निया जोधपुर की प्रसिद्ध। समुन्द्र लहर नामक लहरिया में रंगा जाता है।

⇒ मोठड़ा = लहरिए की धारियां जब एक-दूसरे को काटती हुई बनाई जाती है, जो जोधपुर की प्रसिद्ध
⇒ चुनरी = जोधपुर की प्रसिद्ध है।

⇒ तिलका : मुस्लिम औरतों का वस्त्र जो पायजामा के ऊपर पहना जाता है।
⇒ कापड़ी : कपड़े के दो टुकड़ों को बीच में जोड़कर बनाई गई चोली, पीठ पर तनियों से बांधी जाती है।

⇒ सलवार : कमर से पांवों में पहने जाने वाला वस्त्र
⇒ घाघरी : कुंवारी व स्कूली छात्राओं द्वारा पहना जाने वाला कमर के नीचे का वस्त्र, यह घाघरे का छोटा रूप,

⇒ कुर्ता : ऊपरी हिस्से में पहना जाने वाला वस्त्र
⇒ शरारा : सलवार रूपी वस्त्र शरीर के नीचले हिस्से पैरों में

⇒ कटकी - अविवाहित बालिकाओं द्वारा ओढ़ी जाने वाली ओढ़नी कटकी कहलाती है
पावली भांत की ओढ़नी प्रसिद्ध।

⇒ आदिवासी स्त्रियों के वस्त्र ⇐
⇒ तारा भांत की ओढ़नी ⇒ आदिवासी स्त्रियों की लोकप्रिय ओढ़नी है।
⇒ ज्वार भांत की ओढ़नी : सफेद रंग की ज्वार के दानों जैसी छोटी-2 बिन्दी वाली जमीन और लाल काले रंग की बेल-बूटियां।
⇒ लहर भांत की ओढ़नी : ज्वार भांत जैसी बिन्दियों से लहरिया बना होता।
⇒ केरी भांत की ओढ़नी : इसकी किनारी व पल्लू में केरी व ज्वार जैसी बिन्दियां
⇒ चुनड़ : भीलों की चूनड़, सफेद बिन्दीया, जमीन का रंग कत्थई लाल

⇒ जामसाई साड़ी : लाल जमीन पर फूल पत्तियों युक्त बेल।
⇒ नान्दणा, नानणा : प्रयुक्त होने वाला प्राचीनतम वस्त्र, नीले रंग की छींट
⇒ रेनसाई : लहंगे की ही छींट है, काले रंग की जमीन पर लाल बूटियां
⇒ लूगड़ा : इसे अंगोछा साड़ी भी कहते हैं, विवाहित स्त्रियों का पहनावा
⇒ कटकी : आदिवासियों का वस्त्र माना जाता है।
⇒ भील जनजाति में महिलाओं में कछाबु प्रसिद्ध है।

= अन्य राजस्थानी वस्त्र =

- एरंडी = ओढ़ने का विशेष वस्त्र
- कोरणियाँ = वधू के मामा की ओर से दी जाने वाली पोशाक
- कोलजोळियों : विवाह में दुल्हन के पहनने का वस्त्र
- गुलीबंद = सर्दी बचाव हेतु कान पर पहनने वाला वस्त्र
- चान्दणी = पर्दानशीन आदिवासी स्त्रियों के पर्दा करने का वस्त्र
- जाम्भो = एक प्रकार का घेरदार पहनावा
- तारवी = छोटे बच्चों के सिर ढकने का वस्त्र विशेष
- दुकुल = दुपट्टा एवं ओढ़नी
- दुमांमी = एक प्रकार का वस्त्र
- धाबळा, धूंसौ, धूमालौ = सर्दी में ओढ़ने के ऊनी वस्त्र।
- पगपांवडो = स्वागत के लिए रास्ते में बिछाया जाने वाला वस्त्र
- बांडियो, बंडी = एक प्रकार छोटी बांह का अंगरखा
- पछेवडी = मोटे सूती कपडे की चादर
- पट्टू - ओढ़ने का ऊनी वस्त्र
- पांतियो = भोजन के लिए पंक्तिबद्ध बैठाने हेतु बिछाने का वस्त्र
- फेंटियो = घाघरे के नीचे पहनने का लम्बा वस्त्र
- बड़ा बेस = विवाह के समय वधू के लिए विशिष्ट पोशाक
- बरड़ियों = मेघवाल जाति में दूल्हे के ओढ़ने का वस्त्र
- बरडी = काली व श्वेत चौकियों वाला एक विशेष वस्त्र
- बागौ = चुन्टदार घेरे वाला पुरुषों के सिर की पगड़ी
- बींदवागो : दूल्हे की पोशाक
- बुरका : मुस्लिम स्त्रियों का पहनावा (सिर से पांव तक-काला)
- भाकलियौ : ऊंट के बालों का बना एक बिछावन (बैठक हेतु)
- लेपटो = सिर पर बांधने का वस्त्र, साफा, पगड़ी
- लांग = धोती व लंगोट का वह छोर जो दोनों जांघों के बीच से कमर के दोनों ओर बंधा रहता है।
- लोलियाँ : शिशु का वस्त्र, लूगड़ी = स्त्री की ओढ़नी, लोई = स्त्री का
- वारवागौ = विवाह में अग्निक्रमा के बाद वधु/कन्या को पहनाई जाने वाली पोशाक।

- **Rajasthan Gk PDF- क्लिक करे**
- **Hindi Test Quiz – क्लिक करे**
- **HINDI NOTES - क्लिक करे**
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**

- **INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें**
- **RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे**
- **GENERAL SCIENCE– क्लिक करें**
- **HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे**

GK/GS टॉप 1000 प्रश्न –
Download Now

राजस्थान GK हस्त ल खत नोट्स
DOWNLOAD NOW

भारत सामान्य ज्ञान टेस्ट-शुरू करे

RAJASTHAN GK E-BOOK - DOWNLOAD

RAJASTHAN GK TEST–START NOW